1455

1-4-2020

बुधवार

आत्मा

"गुरु" बोलता है। अपने स्तर पर और शिष्य सुनता है। अपने स्तर पर दोनो मे समय का अंतराल रहता है।

बाबास्वामी
1-4-2020

1456
2-4-2020

गुरुवार

आत्मा

"सिद्दगुरु" सदैव प्रकृती से जुडे होने के कारण प्रकृती के संकैत पुर्व ही प्राप्त हो जाते है,

बाबास्वामी
2/4/2020

1457

3-4-2020

शुक्रवार

आत्मा

आप अगर आस्तीक हो
तो प्रकृती की शक्ती
को ही "परमात्मा" मान
सकते हो

बाबास्वामी
3-4-2020

1458
4-4-2020
शनीवार

आत्मा

अगर आप नास्तीक हो
तो "परमात्मा" को ही
प्रकृती की शक्ती मान
सकते हो

बाबास्वामी
4/4/2020

1459

5-4-2020

रविवार

❀ आत्मा ❀

"परमात्मा" कहो या
प्रकृती की शक्ती
सब एक ही है।

बाबास्वामी
5-4-2020

1460
6-4-2020

सोमवार

❀ आत्मा ❀

कोई तो "शक्ती" है। वह है इसीलीये आज हमारे शरीर का अस्तीत्व है।

बाबास्वामी
6|4|2020

1461

7-4-2020

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

"परमात्मा" एक विश्व चेतना शक्ती है। कोई भी व्यक्ती नही है।

बाबास्वामी
7/4/2020

1462
8-4-2020

बुधवार

❀ आत्मा ❀

जिस शरीर के माध्यम से वह विश्वचेतना शक्ती कार्य करती है, हम उस शरीर को ही "परमात्मा" मानने की भुल करते है,

बाबास्वामी
8|4|2020

1463
9-4-2020

गुरुवार

आत्मा

पाईप और पानी
मे जो अंतर है।
वही "माध्यम" और
"परमात्मा" मे होता
है।

बाबास्वामी

1464
10-4-2020

शुक्रवार

✿ आत्मा ✿

"परमात्मा" पानी होता है।
और माध्यम पाईप है,
यह समझकर चलें

बाबास्वामी
10-4-2020

1465
11-4-2020
शनिवार

❀ आत्मा ❀

अपनी रिसीव्हींग या
गुणग्राहकता बढाने के
लीये हमे पाईप को
पानी "मानना" पडता है,

बाबास्वामी
11-4-2020

1466

12-4-2020

रविवार-

आत्मा

माध्यम को ही परमात्मा "<u>मानना</u>" पड़ता है, ताकी हमारी गुणग्राहकता बढ़ सके।

बाबास्वामी

12-4-2020

1467
13-4-2020
सोमवार

❀ आत्मा ❀

ऐसा ही मैंने माध्यम को परमात्मा मानकर परमात्मा को प्राप्त हो गया यह "समाधान" प्राप्त किया,

बनारस्वामी
13/4/2020

1468
14-4-2020

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

परमात्मा मिल गया
यह "समाधान" प्राप्त
होने पर ही हमारी
अंन्तरमुखी यात्रा प्रांरभ
होती है।

बाबास्वामी
14/4/2020

1469
15-4-2020

बुधवार

ꕥ आत्मा ꕥ

अंन्तर मुखी यात्रा
प्रांरभ होने पर ही
अपने ही भितर
"परमात्मा" की प्राप्ती
होती हैं,

बाबास्वामी
15/4/2020

1470
16-4-2020

गुरुवार

आत्मा

अपने भितर ही परमात्मा
मिल जाने पर परमात्मा
की "खोज" बाहर समाप्त
हो जाती है।

बाबास्वामी
16/4/2020

1471
17-4-2020

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

कर्ममुक्त अवस्था मंझील है। उसतक पहुचने का शरीर वाहन है।

बाबास्वामी
17|4|2020

1472
18-4-2020

शनीवार

❀ आत्मा ❀

अपने शरीर रूपी वाहन
की पुरी "सुरक्षा" करे

बाबास्वामी
18/4/2020

1473
19-4-2020

रविवार

❀ आत्मा ❀

शरीर रूपी वाहन को "मसाज" कर के नियमीत रखरखाव करे।

बाबास्वामी
19/4/2020

1474

20-4-2020

सोमवार

आत्मा

नियमीत स्नान (x) करके
अपने शरीर रूपी वाहन
को "स्वच्छ" रखें

बाबास्वामी
20/4/2020

(x) चित्त का स्नान याने ध्यान

1475

21-4-2020

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

शरीर रूपी वाहन का "रख रखाव" ही हमें अपनी मंझील तक पहुचाने मे सहायता करेगा।

बाबास्वामी
21/4/2020

1476
22-4-2020

बुधवार

आत्मा

शरीर रूपी वाहन में
"सुपाच्य भोजन" रूपी
पेट्रोल ही डाले

बाबास्वामी
22/4/2020

1477
23-4-2020

गुरुवार

आत्मा

शरीर रूपी वाहन को
सड़क पर "नियमों" के
अनुसार ही चलायें
कोई नियम न तोड़े

बाबास्वामी
23/4/2020

1418
24-4-2020

शुक्रवार

आत्मा

अपने अपने शरीर रूपी
वाहन का सदा ही
"सम्मान" करे

~~बाबा~~ बाबास्वामी
24/4/2020

1479

25-4-2020

शनिवार

आत्मा

शरीर रूपी आपका वाहन "अद्वितीय" है। उससे प्रेम करें।

बाबास्वामी

25/4/2020

1480
26-4-2020
रविवार

❀ आत्मा ❀

आपका शरीर रूपी
वाहन "युनीक" है।
आप के जैसे इस
दुनीया मे आप ही
हो।

बाबास्वामी
26/4/2020

1481
27-4-2020
सोमवार

❀ आत्मा ❀

अपने शरीर रूपी वाहन का सदा "अभिमान" रखो।

बाबास्वामी
27/4/2020

1482

28-4-2020

मंगलवार

आत्मा

अपने शरीर रुपी वाहन
की तुलना कीसी से
न करो आप इस
दुनीया मे "युनीक" हो

बाबास्वामी
28/4/2020

1484

30-4-2020

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

मेरा "मानसीक स्वास्थ"
अब बहुत अच्छा हो-
रहा है, यह तीन
बार कहे।

बाबास्वामी
30/4/2020

1483

29-4-2020

बुधवार

🏵 आत्मा 🏵

इस लॉकडाऊन के समय
मे आप जैसा सोचोगे
वैसा ही होगा इस
लिये "सकारात्मक सोचे"

बाबास्वामी
29/4/2020